स्वर्गीय कर्नल किरोड़ी सिंह बैंसला की मूर्ति का अनावरण और गुर्जर सम्मेलन में माननीय अध्यक्ष का सम्बोधन

मानवता के सच्चे पुजारी, महान समाज सुधारक, महानायक कर्नल किरोडी बैसला जी को कोटी-कोटी नमन। कर्नल साहब फौज के कर्नल थे, और गुर्जर समाज के लिए जनरल थे।

कर्नल साहब का जीवन विराट और विशाल था। उन्होंने आजीवन देश की भी सेवा की। सेना में रहे, और समाज की सेवा भी की। समाज का भी उत्थान किया।

उनकी बदौलत हजारों घरों में उजाला हुआ है। गुर्जर, रैबारी, राइका समाज अपने आप में बहुत भाग्यशाली हैं कि कर्नल साहब जैसा व्यक्तित्व इस समाज में पैदा हुआ। जिसने अपने त्याग और समर्पण से समाज की दिशा और दशा दोनों को काफी हद तक बदल डाला। यह समाज कर्नल साहब के योगदान को कभी भुला नहीं सकता। और वास्तव में वे सर्व समाजों के नेता थे। उन्होंने सभी पिछड़े और वंचित वर्गों को अपने अधिकारों के लिए संघर्ष करने की प्रेरणा दी।

युवाओं के प्रेरणास्त्रोत स्वामी विवेकानंद जी कहते थे कि जब कोई व्यक्ति शिक्षित और समर्थ बनाता है, तो वह उस देश और समाज के साधन-संसाधनों के बल पर आगे बढ़ता है, जहां वह रहता है। समर्थ बनने के बाद यदि वह व्यक्ति उन लोगों पर ध्यान नहीं देता है, उनकी दशा सुधारने के प्रयास नहीं करता है तो उसका मनुष्य होना व्यर्थ है।

कर्नल किरोड़ी सिंह बैसला ने अपने जीवन भर की पूंजी, अपना ज्ञान और अनुभव समाज के उत्थान के लिए समर्पित कर दिया। मुझे खुशी है कि समाज की तरफ से उनके सम्मान में यह कार्यक्रम आयोजित किया जा रहा है और हम सब आज उनकी इस भव्य प्रतिमा के अनावरण के अवसर पर यहाँ एकत्रित हुए हैं।

ऐसे कार्यक्रमों के माध्यम से समाज में एकता और सामूहिकता की भावना का विकास होता है। सामाजिक एकता के बल पर ही वीर गुर्जर समाज ने विकास किया है। आज के समय में गुर्जर समाज के लोग राजनीति में, समाज सेवा में, शिक्षा में, खेल में और हर एक क्षेत्र में अपनी जगह बना रहे हैं।

आपका समाज ऐसा समाज है, जिसने इतिहास से लेकर वर्तमान तक सदा संघर्ष किया है। आपके समाज के लोगों ने अपने लिए तो जीवन जिया ही है, इसी के साथ देश के लिए भी अपने आप को समर्पित कर दिया है।

गुर्जर समाज कई वर्षों से पशुपालन और खेती का काम करता आया है। और ये काम करते हुए ही गुर्जर समाज के बड़े बुजुर्गों ने विषम परिस्थिति में अपने बच्चों को पढ़ाया है, उन्हें आगे बढ़ाया है। आज समाज के पढ़े-लिखे बच्चे सिर्फ अपनी उन्नति नहीं कर रहे हैं, बल्कि वो देश के लिए भी बेहतरीन काम कर रहे हैं।

समाज के बच्चों से मैं कोटा की कोचिंग में भी मिला हूँ तो संसद भवन में भी मिला हूँ। मैंने आईआईटी/मेडिकल कि तैयारी करने वाले बच्चों से भी बातचीत की है, तो प्रशासनिक अधिकारी बनकर संसद भवन के अध्ययन दौरे पर आए समाज के युवकों से भी बातचीत की है।

समाज के बच्चे संघर्ष करने से कतराते नहीं है। और जो तैयारी करने वाले युवा परीक्षाओं को पास कर सलेक्ट हो जाते हैं, उनकी एक खासियत है कि उसके बाद भी वो दूसरे प्रतियोगियों की सहायता करते हैं। उन्हें गाइड करते हैं। सलेक्ट होने के बाद online क्लास के माध्यम से या कहीं ना कहीं सेमीनार के माध्यम से वो ये कोशिश करते हैं कि दूसरे प्रतियोगी भी सलेक्ट हो जाए।

यह प्रेरणा भी कर्नल किरोड़ी सिंह बैसला जी ने समाज के युवाओं, सक्षम लोगों और अधिकारियों को दी थी।

समाज के एक कार्यक्रम में जिसमें पढ़े – लिखे लोग और अधिकारी लोग थे, वहाँ कर्नल साहब ने कहा था, "समाज के लिए मैं अपनी तरफ से सब कुछ करूंगा, मुझे आप सब के साथ की जरूरत है। समाज को आपकी जरूरत है। अपने तरीके से समाज मे भागीदारी देना शुरू कीजिये, रिटायरमेंट का इन्तजार मत कीजिये. आप लोग पढ़े लिखें है, बुद्धिमान है. समाज के वँचित लोगो को आपकी गाईडेन्स की और सहयोग की जरूरत है. आगे आइये... "

कर्नल साहब के इस आह्वान का उन लोगों पर प्रभाव पड़ा, और उस हॉल मे मौजूद लोगो ने युवाओ और विद्यार्थियों को मुख्यधारा मे जोड़ने के लिए, कॅरियर गाईडेन्स देने के लिए अपनी निशुल्क सेवा देने के लिए संकल्प प्रस्तुत कर दिया। साल 2012 में कर्नल

साहब की इस प्रेरणा ने मूर्त रूप लिया और **सुयोग संस्था** का निर्माण हुआ, जो आज भी समाज के युवाओ और विद्यार्थियों के हित के लिए काम कर रही है।

ग्रामीण लाइब्रेरी की प्रेरणा भी कर्नल साहब की मौलिक सोच का परिणाम है। कर्नल साहब ने लगातार लाइब्रेरीज के महत्व पर जोर दिया था, वो जानते थे कि समाज को थिंक टैंक की आवश्यकता है। लाइब्रेरी ही ऐसे थिंक टैंक उपलब्ध करवा सकेंगी।

कर्नल साहब गरीब, कमजोर और वँचित तबके के अभिभावक थे। उन्होंने जो संघर्ष समाज को आगे बढ़ाने के लिए किया, उसका परिणाम है कि समाज के हजारों घरों से युवा निकालकर आगे बढ़े हैं। अनेक युवा RAS बने हैं, अधिकारी, लेक्चरर, टीचर बनें हैं और दूसरे सरकारी पदों पर पहुँचे हैं। इससे समाज के सभी घरों को, नौजवानों को शिक्षित होकर आगे बढ़ने की प्रेरणा मिली है।

कर्नल साहब की प्रेरणा से गुर्जर समाज ने संघर्ष कर अधिकार प्राप्त किए हैं, और फिर आगे बढ़ा है। समाज ने उन्नति की दिशा में कदम बढ़ाए हैं, लेकिन मंजिल अभी हासिल नहीं हुई है। क्योंकि शिक्षा का जो स्तर होना चाहिए, वो अभी भी समाज में नहीं है।

कर्नल किरोड़ी सिंह जी कहते थे कि आज के नौजवान फर्राटेदार अंग्रेजी बोलने वाले होने चाहिए। वो कहते थे कि "न मुझे हेंडपम्प की जरूरत है , न मुझे आँगनबाड़ी की जरूरत है. मै पैदल चल लूंगा, मै तो कुएं से पानी ले आऊंगा. लेकिन मुझे स्कूल चाहिये हर जिले मे एक रेजिडेंशियल इंग्लिश मीडियम स्कूल चाहिये।" समाज को इस दिशा में आगे बढ़ना चाहिए।

आज समय बदल चुका है। आज हमें ये नहीं देखना है कि समाज में साक्षरता का स्तर कितना है! बल्कि आज हमें यह देखना है कि समाज में कितने बालक-बालिका हायर एजुकेशन हासिल कर पाते हैं। कितने बालक-बालिका पीएचडी में एडमिशन ले पाते हैं, कितने प्रशासन में जा पाते हैं, कितने बालक-बालिका अपने मन का कर पाते हैं; आज इस दिशा में हमें तेजी से आगे बढ़ना है।

आप सभी मेरा परिवार हो। मुझे आज आगे बढ़ते परिवार को देखकर खुशी होती है। लेकिन इसी के साथ मुझे चिंता होती है, जब मैं देखता हूँ कि परिवार की बेटियाँ अभी भी पूरी क्षमता के साथ आगे नहीं बढ़ पा रही हैं। समाज की बेटियों को आगे बढ़ाने के लिए, उच्च शिक्षा के लिए केंद्र और राज्य की सरकारें कई योजनाएं चलाती हैं। मैं चाहता हूँ कि समाज भी इस पर गंभीरता के साथ काम करें। जब हमारी बेटियाँ पढ़-लिखकर आगे

बढ़ेगी, जब हमारी बेटियाँ बुलंदी का आसमान छूएगी; उस दिन समाज बहुत आगे बढ़ जाएगा।

बाबा साहब अंबेडकर जी ने कहा है कि, "मैं किसी भी समाज की प्रगति का इस बात से आँकलन करता हूँ कि उस समाज में महिलाओं की क्या स्थिति है।"

श्री वीर गुर्जर समाज में महिलाओं को, बालिकाओं को आगे बढ़ाना होगा। बेटियों को अवसर देने होंगे। ताकि समाज अपनी पूरी क्षमता और सामर्थ्य से आगे बढ़ें।

समाज के जो सक्षम, समर्थ लोग यहाँ बैठे हैं, उनके बारे में कर्नल साहब ने कहा था कि, "समाज को देने का सही वक्त है, तो वह अभी है। रिटायरमेंट का इंतज़ार क्यों करे. कर्नल साहब का यही आह्वान और प्रेरणा थी।"

मुझे विश्वास है कि वीर गुर्जर समाज अपनी प्रगति से अन्य समाजों को रास्ता दिखाएगा। इसी संदेश और विश्वास के साथ आप सभी को पुनः शुभकामनाएं। धन्यवाद,

जय हो भगवान देवनारायण जी की। कर्नल किरोड़ी सिंह बैसला अमर रहे।